Dainik Jagran
07-02-2026

सीबीएसई स्कूलों वाले शिक्षकों के लिए इस माह होगी पात्रता परीक्षा

- डा. राजेश शर्मा बोले- प्रदेश शिक्षा बोर्ड को मिली है परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी
- प्रश्न पत्रों का तैयार करवा लिया है ब्लूप्रिंट, चयन प्रक्रिया होगी पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध विद्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर जाने के लिए विशेष पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने बोर्ड को इस परीक्षा के आयोजन की जिम्मेदारी सौंपी है। यह कदम चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

राजेश शर्मा • जागरण आर्काइव

उन्होंने कहा कि इस पात्रता परीक्षा का आयोजन इसी माह किया जाएगा। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रतिनियुक्ति के लिए चुने जाने वाले शिक्षक शैक्षणिक और विषयगत रूप से निर्धारित उच्च मानकों पर खरे उतरें।

परीक्षा की शुचिता और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए बोर्ड ने अनुभवी विषय विशेषज्ञों की मदद से प्रश्न पत्रों का ब्लूप्रिंट भी तैयार करवा लिया है। यह परीक्षा शिक्षा विभाग के सभी संवर्गों के लिए अनिवार्य हैं। इनमें कार्यरत प्रधानाचार्य, प्रवक्ता (पीजीटी), प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) और जेबीटी शिक्षक शामिल हैं, जो सीबीएसई स्कूलों में सेवाएं देने के इच्छुक हैं। इसी सिलसिले में बोर्ड एक विशेष कार्यशाला का आयोजन कर रहा है, जिसमें प्रश्न पत्रों की रूपरेखा और मार्किंग स्कीम को अंतिम रूप दिया जाएगा।

डा. राजेश शर्मा ने कहा कि बोर्ड का अंतिम लक्ष्य एक ऐसी निष्पक्ष चयन प्रक्रिया विकसित करना है, जिससे प्रदेश के मेधावी और योग्य शिक्षकों की सेवाएं सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों को मिल सकें। इस नई व्यवस्था से न केवल चयन प्रक्रिया में सुधार होगा, बल्कि राज्य की समग्र शिक्षा व्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी।

सीबीएसई स्कूलों में प्रतिनियुक्ति के लिए अब अनिवार्य होगी पात्रता परीक्षा

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड फरवरी में करेगा आयोजन

धर्मशाला,(आपका फैसला)। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर जाने हेतु अब एक विशेष पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने बोर्ड को इस परीक्षा के आयोजन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। यह कदम चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि इस पात्रता परीक्षा का आयोजन इसी माह, फरवरी 2026 में किया जाएगा। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रतिनियुक्ति के लिए चुने जाने वाले शिक्षक शैक्षणिक और विषयगत रूप से निर्धारित उच्च मानकों पर खरे उतरें। परीक्षा की शुचिता और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए बोर्ड ने अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की मदद से प्रश्न-पत्रों का ब्लूप्रिंट भी तैयार करवा लिया है। यह परीक्षा शिक्षा विभाग के सभी संवर्गों के लिए अनिवार्य की गई है। इसमें कार्यरत प्रधानाचार्य, प्रवक्ता , प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक और जेबीटी शिक्षक शामिल हैं, जो सीबीएसई स्कूलों में सेवाएं देने के इच्छुक हैं। इसी सिलसिले में 6 फरवरी 2026 को बोर्ड एक विशेष कार्यशाला का आयोजन कर रहा है, जिसमें प्रश्न-पत्रों की रूपरेखा और मार्किंग स्कीम को अंतिम रूप दिया जाएगा। डॉ. राजेश शर्मा ने कहा कि बोर्ड का अंतिम लक्ष्य एक ऐसी निष्पक्ष चयन प्रक्रिया विकसित करना है, जिससे प्रदेश के मेधावी और योग्य शिक्षकों की सेवाएं सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों को मिल सकें। उनका मानना है कि इस नई व्यवस्था से न केवल चयन प्रक्रिया में सुधार होगा, बल्कि राज्य की समग्र शिक्षा व्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी।

पंजाब केसरी
SAT,07 FEBRUARY 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 4

सी.बी.एस.ई. स्कूलों में प्रतिनियुक्ति के लिए अनिवार्य होगी पात्रता परीक्षा

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड फरवरी में करेगा आयोजन

धर्मशाला, 6 फरवरी (ब्यूरो): हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए सी.बी.एस.ई. से संबद्ध विद्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर जाने हेतु अब एक विशेष पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा।

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार ने बोर्ड को इस परीक्षा के आयोजन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है।

यह कदम चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि इस पात्रता परीक्षा का आयोजन इसी महीने में किया जाएगा।

परीक्षा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रतिनियुक्ति के लिए चुने जाने वाले शिक्षक शैक्षणिक और विषयगत रूप से निर्धारित उच्च मानकों पर खरे उतरें।

परीक्षा की शुचिता और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए बोर्ड ने अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की मदद से प्रश्न-पत्रों का ब्लूप्रिंट भी तैयार करवा लिया है। यह परीक्षा शिक्षा विभाग के सभी संवर्गों के लिए अनिवार्य की गई है। इसमें कार्यरत प्रधानाचार्य, प्रवक्ता, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक और जे.बी.टी. शिक्षक शामिल हैं, जो सी.बी.एस.ई. स्कूलों में सेवाएं देने के इच्छुक हैं। इसी सिलसिले में शुक्रवार को बोर्ड विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रश्न-पत्रों की रूपरेखा और मार्किंग स्कीम को अंतिम रूप दिया गया।

डा. राजेश ने कहा कि बोर्ड का अंतिम लक्ष्य एक ऐसी निष्पक्ष चयन प्रक्रिया विकसित करना है, जिससे प्रदेश के मेधावी और योग्य शिक्षकों की सेवाएं सी.बी.एस.ई. से संबद्ध स्कूलों को मिल सकें। उनका मानना है कि इस नई व्यवस्था से न केवल चयन प्रक्रिया में सुधार होगा, बल्कि राज्य की समग्र शिक्षा व्यवस्था को भी नई मजबूती मिलेगी।

Divya Himachal 07-02-2026

1.84 लाख छात्र देंगे बोर्ड परीक्षा

दसवीं-जमा दो के प्रैक्टिकल 20 फरवरी से, तीन मार्च से शुरू होंगे लिखित इम्तिहान

स्टाफ रिपोर्टर – धर्मशाला

- 2384 परीक्षा और 41 मूल्यांकन केंद्र स्थापित

प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला की ओर से वार्षिक परीक्षाओं की फाइनल तैयारियां जोरों से की जा रही हैं। इस बार बोर्ड की दसवीं व जमा दो की फाईनल परीक्षाओं में एक लाख 84 हजार छात्र भाग लेंगे। इसमें दसवीं में 97 हजार व जमा दो के 87 हजार परीक्षार्थी शामिल हैं। दसवीं-जमा दो के प्रैक्टिकल 20 से करवाए जाएंगे, जबकि लिखित परीक्षाएं तीन मार्च से शुरू होंगी। इसके लिए प्रदेश भर में 2384 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। 41 स्थल मूल्यांकन केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें उत्तरपुस्तिकाओं की जांच की जाएगी। इस बार बोर्ड की ओर से दसवीं व जमा दो के परिणाम को जारी करने के लिए 30 अप्रैल को पहला रिजल्ट जारी करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के सचिव डा. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि नकल रोकने के लिए फ्लाइंग स्क्वायड बनाए जाएंगे, साथ ही लाइव मॉनिटरिंग सेंटर भी स्थापित किया जाएगा।

सीबीएसई स्कूलों में प्रतिनियुक्ति को पात्रता परीक्षा अनिवार्य

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर जाने हेतु अब एक विशेष पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि इस पात्रता परीक्षा का आयोजन इसी माह किया जाएगा। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रतिनियुक्ति के लिए चुने जाने वाले शिक्षक शैक्षणिक और विषयगत रूप से निर्धारित उच्च मानकों पर खरे उतरें। परीक्षा की शुचिता और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए बोर्ड ने अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की मदद से प्रश्न-पत्रों का ब्लूप्रिंट भी तैयार करवा लिया है। यह परीक्षा शिक्षा विभाग के सभी संवर्गों के लिए अनिवार्य की गई है। इसमें कार्यरत प्रधानाचार्य, प्रवक्ता, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक और जेबीटी शिक्षक शामिल हैं, जो सीबीएसई स्कूलों में सेवाएं देने के इच्छुक हैं। डा. राजेश शर्मा ने कहा कि नई व्यवस्था से चयन प्रक्रिया में सुधार होगा।

Himachal Dastak 07-02-2026

1.84 लाख छात्र देंगे 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षा

उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए निदेशालय लगाएगा शिक्षकों की ड्यूटी

हिमाचल दस्तक ब्यूरो ▮ धर्मशाला

प्रदेश में 3 मार्च से आरंभ होने वाली दसवीं और जमा दो की वार्षिक परीक्षाओं में इस बार करीब एक लाख 84 हजार परीक्षार्थी भाग लेंगे। वार्षिक परीक्षाओं से पहले प्रैक्टिकल परीक्षाएं 20 से 28 फरवरी तक संपन्न करवाई जाएंगी। वार्षिक परीक्षाओं के लिए बोर्ड की ओर से 2384 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। साथ ही परीक्षाओं के उपरांत उत्तरपुस्तिकाओं की चेकिंग के लिए 41 स्थल मूल्यांकन केंद्र प्रदेश भर में स्थापित किए गए हैं।

पिछले कुछ वर्षों की तरह इस बार भी बोर्ड ने दसवीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम 30 अप्रैल तक घोषित करने का लक्ष्य तय किया है। वार्षिक परीक्षाओं हेतु बोर्ड द्वारा हर परीक्षा केंद्र में सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य किए गए हैं। नकल रोकने के लिए बोर्ड की ओर से जहां फ्लाइंग स्क्वायड बनाए जाएंगे, वहीं परीक्षा केंद्रों की लाइन मॉनिटरिंग के लिए बड़े स्तर पर मॉनिटरिंग सेंटर भी स्थापित किया जाएगा। इस बार उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए बोर्ड को शिक्षकों की उपलब्धता की समस्या रहती थी, जिस पर बोर्ड ने शिक्षा निदेशालय से आग्रह किया था। शिक्षा बोर्ड के आग्रह पर शिक्षा निदेशक की ओर से हामी भरी गई है कि स्थल मूल्यांकन केंद्रों में शिक्षकों की ड्यूटी शिक्षा निदेशालय की ओर से लगाई जाएगी।

उधर, प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव डॉ. मेजर विशाल शर्मा ने बताया कि 3 मार्च से आरंभ हो रही वार्षिक परीक्षाओं में जमा दो में करीब 96 हजार, जबकि दसवीं में 88 हजार परीक्षार्थी पंजीकृत हुए हैं। नकल रोकने के लिए फ्लाइंग स्क्वायड बनाए जाएंगे, साथ ही लाइव मॉनिटरिंग सेंटर भी स्थापित किया जाएगा, जोकि पूर्व की अपेक्षा बड़े स्तर पर होगी।

सीबीएसई स्कूलों में प्रतिनियुक्ति के लिए शिक्षकों को उतीर्ण करनी होगी पात्रता परीक्षा

धर्मशाला। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों में प्रतिनियुक्ति पर जाने हेतु अब विशेष पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि सरकार ने बोर्ड को इस परीक्षा के आयोजन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। यह कदम चयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बोर्ड अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि इस पात्रता परीक्षा का आयोजन इसी माह फरवरी 2026 में किया जाएगा। परीक्षा का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रतिनियुक्ति के लिए चुने जाने वाले शिक्षक शैक्षणिक और विषयगत स्तर से निर्धारित उच्च मानकों पर खरे उतरें। परीक्षा की शुचिता और गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए बोर्ड ने अनुभवी विषय विशेषज्ञों की मदद से प्रश्नपत्रों का ब्लूप्रिंट भी तैयार करवा लिया है। यह परीक्षा शिक्षा विभाग के सभी संवर्गों के लिए अनिवार्य की गई है। इसमें कार्यरत प्रधानाचार्य, प्रवक्ता, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक और जेबीटी शिक्षक शामिल हैं, जो सीबीएसई स्कूलों में सेवाएं देने के इच्छुक हैं। इसी सिलसिले में बोर्ड एक विशेष कार्यशाला का आयोजन कर रहा है, जिसमें प्रश्नपत्रों की रूपरेखा और मार्किंग स्कीम को अंतिम रूप दिया जाएगा।